

पित्तकारी, पित्तप्रकोपी पुं. (तद्) 1. पीतल 2. भोजपत्र, हरताल।

पित्त व्याधि स्त्री. (तत्.) पित्त के प्रकोप से उत्पन्न रोग।

पित्त-शूल पुं. (तत्.) आयु. एक प्रकार का पेट दर्द, यकृत (जिगर) के मुख पर पित्त सूखकर कठोर हो जाने के कारण होने वाला उदर शूल।

पित्तहर वि. (तत्.) पित्त के प्रकोप को दूर करने वाला।

पित्तहा वि. (तत्.) 1. पित्त को शांत करने वाला, पित्त नाशक 2. पित्त पापड़ा।

पित्ता पुं. (तद्.) 1. वह थैली जिसमें पित्त रहता है, पित्ताशय 2. पित्त ला.अर्थ. साहस, हिम्मत।

पित्ताशय पुं. (तत्.) शरीर के अंदर यकृत के पीछे की ओर स्थित थैली के आकार का अंग विशेष जिसमें पित्त रहता है।

पित्ताश्मरी स्त्री. (तत्.) पित्ताशय में होने वाली पथरी, पित्त पथरी।

पित्ती स्त्री. (तद्.) 1. एक पित्तज रोग जिसमें शरीर पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं तथा जिनमें बहुत खुजली होती है।

पित्त्य वि. (तत्.) 1. पिता संबंधी, पिता का 2. पैतृक, पुरखों का, पुश्तैनी 2. पितरों से संबंधित, पितरों का पुं. (तत्.) अंगूठे और तर्जनी के बीच का, हथेली का भाग।

पित्व पुं. (तत्.) प्राणि. यकृत का एक गाढ़ा क्षार या स्राव जिसका रंग पीताभ भूरा अथवा हरा होता है और जो पाचन में सहायक होता है; आयु. शरीर के तीन दोषों में से एक टि. तीन दोष हैं- वात, पित्त, कफ।

पिथौरा पुं. (तद्.) पृथ्वीराज, दिल्ली के अंतिम हिंदू सम्राट।

पिदारा पुं. (देश.) 1. पिद्दी का नर 2. गुलेल की ताँत में लगी निवाड़ की वह पट्टी जिस पर फेंकने के समय गोली रखते हैं।

पिद्दी स्त्री. (देश.) 1. बया की तरह या उससे छोटी एक सुंदर चिड़िया, फुदकी 2. अत्यंत तुच्छ या नगण्य जीव।

पिधना स.क्रि. (तद्.) शरीर पर धारण करना, पहनना।

पिधान पुं. (तत्.) 1. आच्छादन, आवरण 2. पर्दा, गिलाफ 3. ढक्कन, 4. तलवार का कोष, म्यान 5. किवाड़, दरवाजा।

पिन स्त्री. (अं.) धातु की पतली, नुकीली जिससे कागज नत्थी किए जाते हैं, आलपिन।

पिनक स्त्री. (फा. पीनक) 1. अफीम के नशे में आगे की ओर झुक-झुक पड़ने की क्रिया, भाव अथवा अवस्था 2. नशे में ऊँघने की अवस्था।

पिनकना अ.क्रि. (देश.) अफीम के नशे में बैठे-बैठे आगे की ओर बार-बार झुक जाना या ऊँघना।

पिनकी वि. (देश.) अफीम के नशे में ऊँघने वाला, अफीमची।

पिनपिन स्त्री. (देश.) 1. बच्चों के रह-रहकर रोने पर होने वाला अनुनासिक और अस्पष्ट शब्द अथवा ध्वनि 2. रोगी अथवा दुबले-पतले बच्चे के रोने का शब्द 3. रुक-रुककर गाने की ध्वनि या क्रिया।

पिनपिनाना अ.क्रि. (देश.) 1. रोते समय नाक से पिन पिन का स्वर निकालना 2. धीरे-धीरे, रुक-रुककर हिचकियाँ लेते हुए रोना।

पिनपिनाहट स्त्री. (देश.) पिन-पिन करने की क्रिया, भाव अथवा शब्द।

पिनाक पुं. (तत्.) 1. शिव का धनुष 2. त्रिशूल 3. धनुष।

पिनाकपाणि पुं. (तत्.) शिव।

पिनाकहस्त पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

पिनाकी पुं. (तत्.) 1. पिनाक धारण करने वाले, महादेव, शिव 2. प्राचीन काल का एक प्रकार का बाजा जिसमें बजाने के लिए तार लगा रहता था।